पुस्तकालय

1

3038
30/12/09

असंशोधित

21 DEC 2009

बिहार विधान-सभा वादवृत्त

सरकारी प्रतिवेदन

(भाग I—कार्यवाही—प्रश्नोत्तर)

प्रतिवेदन शाखा

वि०स०प्र०सं० 1566 तिथि 25-12-09

तारांकित प्रश्न संख्या:१०१- पूरक

श्री जनार्दन सिंह सिंग्रीवाल:महोदय, मैं चाहता हूं कि क्या आने वाले दिनों में भी सरकार, चूंकि वह जो मंडल कारा, छपरा है, चारों तरफ से नालियां भी है और नाली की वजह से गंदगी भी व्याप्त है ...

अध्यक्ष : अभी कोई प्रस्ताव सरकार के पास नहीं है ।

श्री जनार्दन सिंह सिंग्रीवाल: क्या सरकार आने वाले दिनों में इसे रखने का विचार रखती है ?

श्री विजेन्द्र प्र0यादव,मंत्री: सरकार अगर नीति विषयक, इन ए प्रिंसिपुल, कोई डिसिजन लेगी कि शहर के भीतर में कोई भी कारा न रहे, यह अगर सरकार कोई निर्णय लेगी तो निश्चित रूप से माननीय सदस्यों के विचार का उसमें ख्याल रखा जाएगा ।

तारांकित प्रश्न संख्या: १०२(श्री जगत नारायण सिंह)

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव,मंत्री: 1. उत्तर स्वीकारात्मक है । अपराध नियंत्रण को घ्यान में रखते हुए लखनौर प्रखंड स्थित झंझारपुर शिविर के निकट अस्थायी रूप में पुलिस पिकेट खोला गया था।

2. उत्तर आंशिक रूप से स्वीकारात्मक है । वस्तुस्थिति यह है कि आर0एस0शिविर ओपी सरकार द्वारा अधिसूचित नहीं रहने के कारण तात्कालिक पुलिस अधीक्षक के आदेश संख्या-4708/गो.-दिनांक 22.9.2008 द्वारा हटा लिया गया लेकिन वहां आज भी पुलिस पिकेट कार्यरत है ।

3. झंझारपुर आर.एस. के निकट पुन: थाना अथवा सहायक थाना खोलने का प्रस्ताव पुलिस मुख्यालय से प्राप्त होने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी ।

श्री जगत नारायण सिंह: माननीय अध्यक्ष महोदय, ...

अध्यक्ष : अब हो गया न आपका !

श्री जगत नारायण सिंह: नहीं हुआ अध्यक्ष महोदय । महोदय, मेरा सुन लिया जाए । महोदय, झंझारपुर रेलवे स्टेशन का जंक्शन है और बहुत बड़ा बाजार भी है । अभी महोदय, 20कि0मी0 मधेपुर है ...

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, उसको देख लेंगे सहानुभूतिपूर्वक ।

व्यवधान ।

अध्यक्ष : शांति,शांति । अब प्रश्नोत्तर काल समाप्त हुआ । जिन प्रश्नों के उत्तर तैयार हों, उन्हें सभा-पटल पर रख दिए जाएं ।

माननीय सदस्यगण, आसन को दो कार्य-स्थगन प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं - एक, डा0अच्युतानन्द जी के द्वारा, और दूसरा, श्री रामदेव वर्मा एवं अन्य 07(सात)सदस्यों के द्वारा । दोनों कार्य-स्थगन प्रस्ताव को नियमानुकूल नहीं पाए जाने के कारण अमान्य किया जाता है ।

व्यवधान ।

(इस अवसर पर भाकपा, माकपा, लोजपा एवं राजद के माननीय सदस्यगण सदन के वेल में आ गए एवं नारेबाजी करने लगे ।)

व्यवधान जारी ।

अध्यक्ष : अब शून्य-काल लिए जाएंगे ।